

بحر کا نام:  
بحر ہزج مثنوی سالم

ارکان:

مفاعیلن مفاعیلن مفاعیلن مفاعیلن

مفاعیلن	مفاعیلن	مفاعیلن	مفاعیلن
-+-+-++	-+-+-++	-+-+-++	-+-+-++

ردیف:

تیرا ہے یا میرا

قافیہ رقوانی :

آسماں، جہاں، مکاں، رازداں

ترجماں، زیاں

غزل

ڈاکٹر محمد اقبال

1877 - 1938

اگر کج رو ہیں انجم آسماں تیرا ہے یا میرا  
مجھے فکر جہاں کیوں ہو جہاں تیرا ہے یا میرا

اگر ہنگامہ ہائے شوق سے ہے لا مکاں خالی  
خطا کس کی ہے یا رب لا مکاں تیرا ہے یا میرا

اسے صبح ازل انکار کی جرأت ہوئی کیوں کر  
مجھے معلوم کیا وہ رازداں تیرا ہے یا میرا

محمدؐ بھی ترا جبریل بھی قرآن بھی تیرا  
مگر یہ حرف شیریں ترجماں تیرا ہے یا میرا

اسی کوکب کی تابانی سے ہے تیرا جہاں روشن  
زوال آدم خاکی زیاں تیرا ہے یا میرا

Obaid Azam Azmi

www.azmi.in

17/11/2018

ग़ज़ल

डॉ. मुहम्मद इक़बाल

(अल्लामा इक़बाल)

1877 - 1938

अगर कज़-रौ हैं अंजुम आसमाँ तेरा है या मेरा  
मुझे फ़िक्र-ए-जहाँ क्यूँ हो जहाँ तेरा है या मेरा

अगर हंगामा-हा-ए-शौक़ से है ला-मकाँ ख़ाली  
ख़ता किस की है या रब ला-मकाँ तेरा है या मेरा

उसे सुब्ह-ए-अज़ल इंकार की जुरअत हुई क्यूँकर  
मुझे मालूम क्या वो राज़-दाँ तेरा है या मेरा

मोहम्मद भी तिरा जिबरील भी कुरआन भी तेरा  
मगर ये हर्फ़-ए-शीरीं तर्जुमाँ तेरा है या मेरा

इसी कौकब की ताबानी से है तेरा जहाँ रौशन  
ज़वाल-ए-आदम-ए-खाकी ज़ियाँ तेरा है या मेरा

बहर (बह) का नाम :

बहरे हज़ज मुसम्मन सालिम

अरकान

(वो शब्द जिस से शेर की तक्ती करते हैं) :

मफ़ाईलुन मफ़ाईलुन मफ़ाईलुन मफ़ाईलुन

मफ़ाईलुन	मफ़ाईलुन	मफ़ाईलुन	मफ़ाईलुन
1222	1222	1222	1222

रदीफ़ :

तेरा है या मेरा

क्राफ़िया / कवाफ़ी :

आसमाँ, जहाँ

मकाँ, राज़-दाँ

तर्जुमाँ, ज़ियाँ

- ओबैद आज़म आज़मी

www.azmi.in

17/11/2018